B-4
L-10
W. G.

ऑस्ट्रेलिया का भौतिक भूगोल

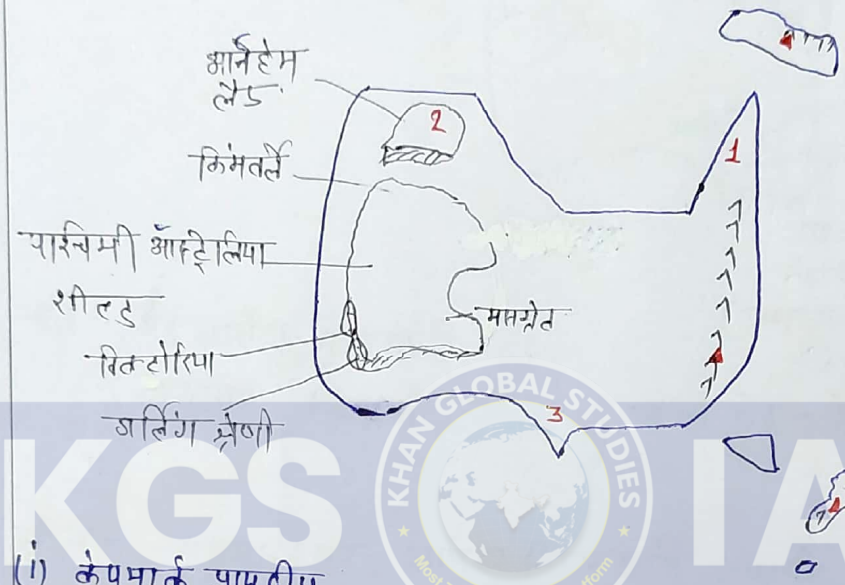

(i) केपयार्क प्रायद्वीप

(ii) आर्नहेम लैंड

(iii) आयरे प्रायद्वीप

ओशियानिया की पर्वत श्रृंखलाएँ :

ऑस्ट्रेलिया का सर्वोच्च शिखर

1. ऑस्ट्रेलिया - ग्रेट डिवाडिंग रेंज - ▲ कास्कुश्को

2. न्यू गिनी द्वीप - पपुआ न्यु गिनी - ओवन स्टैन्ली श्रृंखला
   - ▲ माउंट विल्हेल्म

3. न्यूजीलैंड - दक्षिण आल्पस - ▲ माउंट - कुक

Scanned by CamScanner

ऑस्ट्रेलिया का जलमण्डल :-

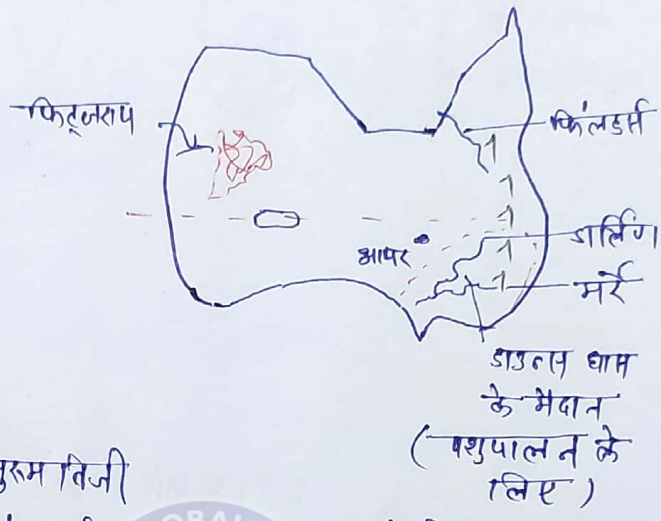

नदी - मर्रे डार्लिंग, मुरुमबिजी
फिट्जराय फिंलडर्स

मरिनो भेड़ - ऊन

झील - जिप्पांसलैंड, आयर निम्न भूमि (-12) मी०

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

सिद्धान्त -

द्वीपों के प्रकार :-

द्वीप :-
भूमि के छोटे टुकड़े / अंश जो चारों ओर जल से घिरे हों।

(i) महाद्वीपीय द्वीप :- मैडागास्कर, तस्मानिया, श्रीलंका
जब महाद्वीप का एक अंश जलीय अतिक्रमण के कारण मुख्य भूमि से विभाजित हो जाए तो महाद्वीपीय द्वीप कहलाता है।

Scanned by CamScanner

पठार :-

- पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया शील्ड
  ↳ अंश (छोटी पर्वत श्रेणी या पठार)
  ↓
  - विक्टोरिया
  - डार्लिंग
  - मैकडोनाल्ड
  - मसग्राव

- आर्नहेम लैंड
- 2 छोटे पठार - माउंट ईसा + ब्रोकन हिल

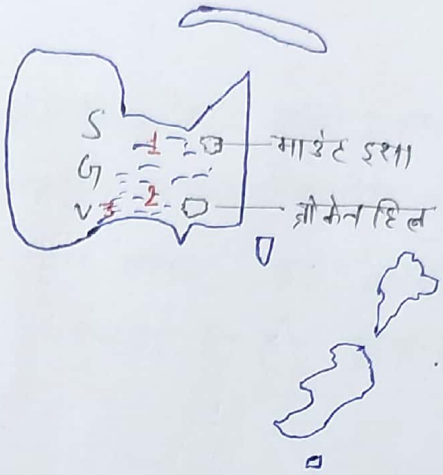

मैदान → ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी पठार व पूर्वी पर्वत के बीच मैदान।

(i) ग्रेट आर्टीजन
(ii) आयर निम्न भूमि
(iii) नल्लाबोर का मैदान

इन्हें उत्तर से दक्षिण में विभाजित किया जाता है।

(A) कारपेन्ट्रिया बेसिन
 इसमें आर्टीशियन मैदान बनता है।

(B) आयर झील निम्न भूमि - 12 km ऑस्ट्रेलिया का सबसे निचला स्थान।

(C) नल्लाबोर का मैदान - तटीय, लगभग सपाट मैदानी पट्टी

(D) डाउन्स का मैदान

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

बनता है।

2. विवर्तन - ज्वालामुखीय द्वीप :-

↳ प्लेट विवर्तनिकी प्रक्रिया तथा ↳ प्लेटों के अपसरण व अभिसरण से ज्वालामुखीय लावा सतह पर प्रस्फुटित होता है। अगर यह लावा सागर की सतह के ऊपर पहुँचता है तो द्वीप का निर्माण होता है।

उदाहरण → इण्डोनेशिया - फिलिपीन्स द्वीप समूह
जापान द्वीप समूह, एल्यूशियन, अण्डमान-निकोबार, कैरेबियन द्वीप समूह, मध्य अटलांटिक तट पर बने द्वीप

3. मूंगा चट्टान निर्मित - प्रवाल भित्ति द्वीप

- यह एक जैविक प्रक्रिया द्वारा निर्मित द्वीप है।
- सागरीय जीव "मूंगा"
- कैल्सियम कार्बोनेट निर्मित
- कंकाल की सागरीय सतह पर एकत्रीकरण द्वारा निर्मित द्वीप

- विश्व की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति - ग्रेट ऑस्ट्रेलियन बैरियर रीफ
- ये उष्ण कटिबंधीय उथले जल में पाए जाते हैं।

विश्व के 50% प्रवाल द्वीप द० पूर्वी एशिया में मिलते हैं

Scanned by CamScanner

भारत में लक्षद्वीप और अण्डमान-निकोबार द्वीप पर भी पाए जाते हैं।

- इनमें जैव विविधता भी बहुत पाई जाती है। इन्हें सागर के वर्षावन भी कहते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner